(60) (3)

दिल्ली विकास प्राधिकरण

दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद की बृहस्पतिवार, दिनांक 19 फरवरी, 1970 को प्रातः 10-30 बजे दिल्ली विकास भवन इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली के मंत्रणालय में हुई बैठक की कार्यवृत्तिः —

उपस्थितः —

1- भाई महावीर, (अध्यक्ष)
संसद सदस्य ।

2- श्री उत्तम प्रकास बंसल,
सदस्य,
महानगर परिषद ।

3- श्री गुरबक्स सिंह,
सदस्य,
महानगर परिषद ।

4- श्री राय खन्ना,
पार्षद,
महानगर परिषद ।

5- श्री विशम्भर दत्त शर्मा,
अध्यक्ष, दुग्ध मत प्रदाय एवं वितरण संस्था ।

6- श्री जगदीश आनन्द,
पार्षद,
दिल्ली नगर निगम ।

7- श्री योगेश्वर नाथ सुदन,
पार्षद,
दिल्ली नगर निगम ।

8- श्री एस0आर0यार्डी,
चीफ आर्कीटैक्ट,
सी0पी0डबल्यू0डी0 ।

दिल्ली विकास प्राधिकरणः -

1- श्री एस0जी0बोस मलिक,
उपाध्यक्ष ।

2- श्री वी0सी0सरकार,
अपर सचिव ।

3- श्री वेद प्रकाश,
टाउन प्लानर ।

4- श्री एस0एल0मोगिया,
सचिव ।

टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग ओरगेनाइजेशन

1- श्री मोहन कैथ ।

4

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY.

Minutes of the meeting of the Advisory Council of the Delhi Development Authority held at 10-30 a.m. on Thursday the 19th February, 1970 in the Conference Room of Delhi Vikas Bhavan, Indraprastha Estate, New Delhi.

Present:-

Members.

1. Shri Bhai Mahavir, Member, Parliament. (In the chair)
2. Shri Uttam Prakash Bansal, Member, Metropolitan Council.
3. Dr. Gurbaksh Singh, Member, Metropolitan Council.
4. Shri Mustaq Rai Khanna, Councillor, Municipal Corporation of Delhi.
5. Shri Bishamber Dutt Sharma, Chairman, Water Supply and Sewage Disposal Committee.
6. Shri Jagdish Anand, Councillor, Municipal Corporation of Delhi.
7. Shri Yogashwar Nath Sudan, Councillor, Municipal Corporation of Delhi.
8. Shri S.R. Yardi, Chief Architect, Central Public Works Department.

contd......

क्योंकि दिल्ली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष महोदय बैठक में उपस्थित नहीं हो सके इसलिये उपरोक्त सदस्यों ने मिलकर बैठक की कार्यवाई चलाने के लिये डा0 भाई महावीर, संसद सदस्य को अध्यक्ष पद हेतु चुना ।

अध्यक्ष के चुना के पश्चात्, दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष महोदय ने वाल्ड सिटी की सीमा के अन्तर्गत आने वाले 14 जोनों से सम्बन्धित जोनल डवैल्पमैंट प्लान्ज बनाते समय आने वाली कठिनाइयों का विस्तृत रूप में वर्णन किया । उन्होंने कहा कि मुख्य समस्या, जिसपर सावधानी पूर्वक विचार किया जाना है, शहर की बढ़ती हुई आबादी है । दिल्ली के मास्टर प्लान में निर्धारित से यह बहुत अधिकपहुँच गई है तथा जोनल डवैल्पमैंट प्लान बनाने में कठिनाई हुई । सार्वजनिक सुविधाओं की हमारी आवश्यकता, इस उद्देश्य हेतु भूमि के अधिग्रहरण पर पूरी हुई ।

समस्या का हल करने के लिये टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग ओर्गेनाइजेशन से प्राप्त प्रस्ताव को बैठक की कार्यावलि में पुनः प्रस्तुत किया गया तथा उसका वर्णन उपाध्यक्ष महोदय ने किया ।

विचार विमर्श के प्रारम्भ में श्री विशम्वर दत्त शर्मा ने सुझाव दिया कि भूमि की कमी को नजर में रखते हुए दिल्ली के मास्टर प्लान में निर्धारित स्थान के स्तर को परिशोधित करना

क्रमश, : : : : : :

(6) (5)

Officers of the D.D.A.:-

1. Shri S.G. Bose Mullick,
Vice-Chairman.

2. Shri B.C. Sarkar,
Additional Secretary.

3. Shri Ved Prakash,
Town Planner.

4. Shri M.L. Mongia,
Secretary.

Town and Country Planning Organisation:-

1. Shri Mohan Kainth.

As the Chairman, Delhi Development Authority could not attend the meeting of the Advisory Council, the above mentioned members of the Council unanimously elected Dr. Bhai Mahavir, M.P. for presiding over the meeting.

After the election of the President, the Vice-Chairman, Delhi Development Authority explained in detail the difficulties coming in the way of preparation of zonal development plans in respect of 14 zones falling within the boundaries of the Walled City. The vital problem which needed careful thought, he said, was the rapid increase in population of the city. It had gone higher than what was envisaged in the Master Plan for Delhi, and had made it more difficult to prepare the zonal development plans. The more we needed public amenities, lesser had become the availability of land required for this purpose.

The proposals received from the Town and Country Planning Organisation for dealing with the

contd.....

चाहिये तथा मास्टर प्लान के अनुसार आवश्यकतायें पूरी करने के लिये भूमि उपलब्ध न होने के कारण इसे घटाना चाहिये । अन्य सदस्यों ने इस बात पर भय व्यक्त किया कि यदि श्री शर्मा के सुझाव को प्रयोगात्मक रूप दिया जाता है तो शहर में और अधिक गंदगी फैल जायेगी , जिसे साफ़ करने के लिये बहुत ही कठिनाई होगी ।

श्री उत्तम प्रकाश बंसल ने राय दी कि मास्टर प्लान में निर्धारित स्तर का कम न किया जाये । इसके अतिरिक्त पार्कों, विद्यालयों, अस्पतालों इत्यादि के लिये आपेक्षित भूमि जोनल डवेल्पमैंट प्लान में चिन्हित की जाये । इस समय उपलब्ध भूमि का उपयोग किया जाये तथा शेष भूमि अधिग्रहरण द्वारा तत्पश्चात मिलाई जाये अथवा बिल्डिंग प्लान स्वीकृत करते समय आवेदकों को उनके सम्पत्ति में से आपेक्षित क्षेत्र देने के लिये कहा जाये जिसके बदले ऐसे आवेदकों को इन-सैटिव के रूप में फ्लोर एरिया बढ़ाते हुए एक और मंजिल की स्वीकृति दी जाये ।

श्री योगेश्वरनाथ सूदन ने सुझाव दिया कि यदि सलाहकार परिषद के समक्ष कोई ठोस प्रस्ताव किया जाये तो समस्या का हल ढूँढने में आसानी रहेगी ।

क्रमशः : : : : : : : : : : :

problem as re-produced in the agenda of the meeting were then explained by the Vice-Chairman.

Starting the discussion Shri Bishambar Dutt Sharma suggested that in view of the scarcity of land the space standards laid down in the Master Plan for Delhi, might be revised and reduced so long as the land was not available to meet the requirements as per Master Plan. The other members expressed their fear that the suggestion of Shri Sharma if given a practical shape would create more slums in the city, which would be very difficult to clear afterwards.

Shri Uttam Prakash Bansal was of the opinion that standards already laid down in the Master Plan should not be lowered. Instead land required for parks, schools, hospitals, etc. might be earmarked in the zonal development plans. For the present, the land readily available could be utilised and the remaining could be added afterwards by acquisition or by asking the applicants while sanctioning the building plans to surrender the required portion of their properties, in lieu of which such applicants could be given incentive by allowing them to have another storey with a view to have more floor area.

Shri Yogashwar Nath Sudan suggested that it would make easier to find a solution of the problem if some concrete proposals were placed before the Advisory Council.

Dr. Bhai Mahavir, M.P. who was in the Chair, then desired that the zonal development plans

contd....

अध्यक्ष पद पर नियुक्त डा0 भाई महावीर ने इच्छा व्यक्त की कि वाल्ड सिटी में आने वाले जोनों से सम्बन्धित जोनल डवेल्पमेंट प्लानज को, जो बन चुके हैं, सलाहकार परिषद की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाये ।

in respect of the zones within the Walled City which had already been prepared be put up to the Advisory Council in its next meeting.